

वक्रगति स्त्री. (तत्.) 1. टेढ़ी चाल जैसे- शतरंज के खेल में ऊँट वक्रगति से चलता है 2. उलटी दिशा में गति वि. आकाशस्थ ग्रह कभी-कभी विपरीत दिशा में चलते हुए दिखते हैं, इसे उनकी वक्रगति कहा जाता है, राहु और केतु सदैव वक्रगति में चलते हैं ला.अर्थ कुटिल चाल।

वक्रगामी वि. (तत्.) वक्रगति से चलने वाला।

वक्रता स्त्री. (तत्.) वक्र होने का भाव या गुण।

वक्रतुंड वि. (तत्.) जिसका मुँह टेढ़ा हो पुं.
1. गणेश 2. तोता।

वक्रदृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. टेढ़ी दृष्टि, तिरछी नजर 2. क्रोध युक्त दृष्टि 3. ला.अर्थ कुटिल दृष्टि वि. ला.अर्थ 1. क्रोधी 2. प्रेम-संकेत देने वाली कुटिल।

वक्रनक्र वि. (तत्.) 1. टेढ़ी नाक वाला 2. कुटिल 3. चुगलखोर पुं. तोता, शुक।

वक्रनासिक वि. (तत्.) टेढ़ी नाक वाला पुं. उल्लू।

वक्रांग वि. (तत्.) 1. टेढ़े शरीर वाला 2. जिसका कोई अंग टेढ़ा हो पुं. 1. सर्प 2. हंस 3. ऊँट।

वक्रिमा स्त्री. (तत्.) टेढ़ापन ला.अर्थ चालाकी।

वक्री वि. (तत्.) दे. वक्रगामी।

वक्रोक्ति स्त्री. (तत्.) चमत्कारपूर्ण उक्ति काव्य. एक अर्थालंकार जिसमें वक्ता की उक्ति का श्लेष या काकु (बोलने की ध्वनि) के द्वारा भिन्न अर्थ समझ लिया जाता है टि. श्लेषवक्रोक्ति या काकुवक्रोक्ति, ये वक्रोक्ति अलंकार के भेद हैं।

वक्षःस्थल/वक्षस्थल पुं. (तत्.) दे. वक्ष।

वक्ष पुं. (तत्.) मानव शरीर का गले और पेट के बीच का सामने वाला भाग, छाती, सीना।

वक्षु स्त्री. (तद्.) दे. वंक्षु।

वक्षोज पुं. (तत्.) वक्ष पर जन्म लेने वाले (स्त्री के) स्तन, उरोज, वक्षोरुह।

वक्षोरुह पुं. (तत्.) दे. वक्षोज।

वक्ष्यमाण वि. (तत्.) जो कहा जा रहा हो, जो कहा जाने वाला हो, प्रस्तुत किया जा रहा (विषय)।

वगलामुखी स्त्री. (तत्.) तंत्रोक्त दस महाविद्याओं में से एक, वगलात्मिका टि. अन्य नौ हैं काली, तारा, षो डशी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, मातंगी और कमलात्मिका।

वगैरह अव्य. (अर.) आदि, इत्यादि।

वग्मित्व पुं. (तत्.) वक्तृता।

वच पुं. (तत्.) 1. वचन, कथन 2. वाणी स्त्री. (तद्.) आयु. एक औषधोपयोगी जड़ी, इसका पौधा प्रायः डेढ़ मीटर ऊँचा होता है, इसमें फूल नहीं लगते, इसके पत्ते भी ओषधीय होते हैं टि. वच या वचा के अनेक प्रकार पाए जाते हैं, 'महाभरीवच' कुलंजन के नाम से प्रसिद्ध है जो खाँसी की प्रसिद्ध दवा है, इसके अतिरिक्त खुरासानीवच, द्वीपांतरवच (चोपचीनी) भी आयुर्वेद में प्रसिद्ध हैं।

वचन पुं. (तत्.) 1. बोलने की क्रिया या ध्वनि 2. बोले गए शब्द या वाक्य 3. दृढ़ आश्वासन, प्रतिज्ञायुक्त शब्द 4. व्या. शब्द के रूप या प्रयोग से होने वाला संख्यात्मक बोध वि. हिंदी में दो वचन होते हैं। एकवचन और बहुवचन मुहा. वचन देना- प्रतिज्ञा करना; वचन न टूटना- वचन पूरा करना; वचन निभाना- वचन पूरा करना; वचन में बाँधना/बाँधना- प्रतिज्ञाबद्ध होना, करा लेना।

वचनकर/वचनकारी वि. (तत्.) आज्ञाकारी।

वचनपटु वि. (तत्.) बोलने में कुशल, वाक्पटु।

वचनपत्र पुं. (तत्.) वाणि. किसी व्यक्ति को निर्दिष्ट तिथि पर निर्दिष्ट राशि अदा करने का लिखित प्रपत्र, रुक्का टि. यह प्रपत्र किसी दूसरे व्यक्ति के नाम अंतरित भी किया जा सकता है। promissory note